



हिंदी देवनागरी वर्णमाला का ग्यारहवाँ व्यंजन, टवर्ग का पहला व्यंजन उच्चारण स्थान मूर्धा।

टंक पुं. (तत्.) चार माशे का एक तौल 2. छेनी, पत्थर काटने का औज़ार 3. कुल्हाड़ी, फरसा 4. तलवार 5. दरार 6. कोष, खजाना 7. क्रोध 8. दर्रा पुं. (अं.) पानी रखने का हौज, तालाब पुं. (देश.) थोड़ा अंश।

टंकक पुं. (तत्.) 1. चाँदी का सिक्का या रुपया 2. टाँकी, छेनी 3. टंकण कार्य करने वाला। typist

टंकण पुं. (तत्.) 1. सोहागा 2. टाइपराइटर पर टंकित करने का कार्य।

टंकण यंत्र पुं. (तत्.) टाइपराइटर।

टंकणक्षार पुं. (तत्.) सोहागा।

टंका पुं. (देश.) एक प्रकार का गन्ना या ईख।

टंकानक पुं. (तत्.) शहतूत।

टंकार पुं. (तत्.) 1. धातु खंड से आघात की ध्वनि, झनकार 2. धनुष की चढ़ी हुई डोरी को खींचकर छोड़ने से उत्पन्न ध्वनि 3. कीर्ति, प्रसिद्धि 4. कोलाहल, शोरगुल।

टंकारना स.क्रि. (तत्.) धनुष की प्रत्यंचा चढ़ाकर आवाज़ करना।

टंकारी पुं. (तत्.) एक पेड़ जिसकी पत्तियाँ लंबोतरी होती हैं।

टंकिका स्त्री. (तत्.) छेनी, टाँकी।

टंकी स्त्री. (तद्.) पानी भरने का कुंड, पानी या तेल को रखने का बड़ा बर्तन।

टंकोरना स.क्रि. (देश.) 1. टंकारना 2. ठोकर लगाना।

टंकोरी पुं. (देश.) दे. टँकोरी।

टंग पुं. (तत्.) 1. कुदाल, फरसा 2. कुल्हाड़ी 3. टाँग, जंघा 4. सोहागा।

टंगण पुं. (तत्.) सोहागा।

टंगिनी स्त्री. (तद्.) पाठा।

टंच वि. (देश.) तैयार, मुस्तैद।

टंट-घंट पुं. (अनु.) पूजा-पाठ का आडंबर।

टंटा पुं. (देश.) 1. उपद्रव, दंगा, फसाद 2. झगड़ा, कलह।

टंडल पुं. (देश.) मजदूरों का मेठ या जमादार।

टंडैल पुं. (देश.) दे. टंडल।

टँकना अ.क्रि. (देश.) टाँका जाना 2. सिलाई द्वारा जुड़ना।

टँकवाना स.क्रि. (देश.) दे. टँकाना।

टँकाई स्त्री. (देश.) टाँकने का काम या क्रिया, टाँकने की मजदूरी।

टँकाना स.क्रि. (देश.) टाँकों से जुड़वाना या सिलवाना 2. याददाशत के लिए लिखवा देना 3. खुरदुरा करना।

टँकोरी स्त्री. (तद्.) सोना-चाँदी तौलने का छोटा काँटा।

टँगड़ी स्त्री. (देश.) घुटने से एड़ी तक का भाग, टाँग मुहा. टँगड़ी पर उड़ाना- कुश्ती में पैर से पैर फँसाकर गिराना।

टँगना अ.क्रि. (तद्.) 1. लटकना 2. लटकाया जाना, फाँसी पर चढ़ना।

टँगरी पुं. (तत्.) दे. टँगड़ी।

टँगारी स्त्री. (तद्.) कुल्हाड़ी, कुठार।

टँगिया स्त्री. (तद्.) छोटी कुल्हाड़ी।

टँड़िया स्त्री. (देश.) बाँह पर पहनने का गहना।

ट पुं. (तत्.) 1. टंकार जैसा शब्द 2. नारियल का खोपड़ा 3. बौना।

टक स्त्री. (देश.) बिना पलक गिरे ताकना, स्थिर दृष्टि मुहा. टक बँधना- दृष्टि जमाकर देखना; टक बाँधना- किसी को स्थिर दृष्टि से देखना; टक लगाना- प्रतीक्षा में रहना।